बातचीत के लिए –

1. आप समय के बारे में कुछ बताइए – सुख का समय या दुख का समय। 2. कोरोना के समय क्या आपने किसी की मदद की? 3. कोरोना के समय आई परेशानियों से आपने क्या सीखा? 4. मास्क लगाना क्यों ज़रूरी है? चर्चा कीजिए। 5. हैंड सेनेटाइज़र के इस्तेमाल का क्या महत्व है? चर्चा कीजिए।

9 समय-समय की बात

हम सीखेंगे

- समय का महत्व

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए

समय	दिन	काल	ज़माना
युग	घड़ी	सप्ताह	साल
महीना	दिन	रात	कैलेंडर
सुबह	शाम	दोपहर	वक्त

शिक्षक-निर्देश— समय से जुड़े शब्दों के बारे में बातचीत करें। इनसे जुड़ी कुछ कहावतें या मुहावरे खोजने का प्रयास करें।

मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए

हाँजी नाजी

बात तब की है जब हाँजी और नाजी दोनों बेरोज़गार थे। दोनों सुबह से शाम तक नौकरी की तलाश में भटकते रहते थे। नौबत ऐसी आ गई कि बस दो वक्त की रोटी मिल जाए तो वे कुछ भी करने को तैयार थे। उन्हीं दिनों शहर में एक सर्कस आया। सर्कसवालों ने स्थानीय अखबार में विज्ञापन छपवाया कि उन्हें कुछ दिनों के लिए कुछ आदमियों की ज़रूरत है। इच्छुक व्यक्ति सुबह दस बजे होटल मानसरोवर में संपर्क करें। साढ़े दस बजते-बजते नाजी पहुँच गए। सर्कसवालों ने कहा, "देखो भाई, बात यह है कि हमारा बंदर बीमार पड़ गया है।

उसकी जगह तुम्हें बंदर की खाल पहनकर थोड़ी देर के लिए बंदर बनना पड़ेगा। एक दिन के साठ रुपये मिलेंगे।"

नाजी ने पूछा, "बंदर बनकर मुझे उछल-कूद करनी होगी?"

सर्कसवालों ने कहा, "हाँ, लेकिन शेर के पिंजरे में घुसकर। घबराओ नहीं। शेर तुम्हें कुछ नहीं करेगा।"

नाजी को डर तो बहुत लगा, लेकिन काम की सख्त ज़रूरत थी, इसलिए राज़ी हो गए।

अगले दिन बंदर की खाल पहनकर नाजी उछल-कूद करते हुए पहुँचे। दर्शक उन्हें देखकर बहुत खुश हुए और तालियाँ बजाने लगे। लेकिन जब शेर के पिंजरे में घुसने की बारी आई तो नाजी के हाथ-पैर जाम हो गए। उनसे एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाया गया। बड़ी मुश्किल से तीन आदमियों ने मिलकर उन्हें शेर के पिंजरे में धकेला।

शेर को सामने देखकर नाजी की घिग्घी बँध गई। वह कोने से चिपक गए और थर-थर काँपने लगे। सू-सू निकल गया। धीरे-धीरे चलते हुए शेर उनके सामने तक आया। उसने अपना मुँह नाजी के मुँह से सटाया और बोला, "घबरा मत। मैं हाँजी हूँ। तू साढ़े दस पर पहुँचा, मैं तो पौने दस बजे ही पहुँच गया था। उस वक्त शेर की पोस्ट खाली थी।"

— स्वयं प्रकाश

(स्रोत— साइकिल, बच्चों का दुपहिया)

मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए

प्रश्न 1. अब सर्कस का पहले जैसा चलन नहीं रहा। इसके क्या कारण हो सकते हैं?

प्रश्न 2. ऐसे और कौन-कौन से खेल तमाशे हैं जिनका कुछ समय पहले तक काफ़ी चलन था, पर अब नहीं है। ऐसा क्यों है?

प्रश्न 3. बेरोज़गारी के चलते हाँजी और नाजी को सर्कस में काम करना पड़ा। आज के समय में बेरोज़गार के अवसर बढ़े हैं या घटे हैं? कैसे?

प्रश्न 4. आज के समय में भी कुछ लोग स्त्रियों का घर से बाहर जाकर नौकरी करना पसंद नहीं करते हैं। आपकी इस बारे में क्या राय है और क्यों?

प्रश्न 5. अक्सर लोगों को ऐसे कामों में जीवन खपाना पड़ता है, जो वे नहीं करना चाहते। ऐसा क्यों है और क्या इस बात का कोई समाधान हो सकता है?

मेरा मनपसंद कार्य

© NCERT

ठीक समय पर

एक नियम से रोज़ सवेरे
सूर्य निकल आता है,
एक नियम से घटता-बढ़ता
चंदा मुसकाता है।

एक नियम से तारे धुँधले
पड़कर फिर खिल जाते हैं,
एक नियम से नदियाँ-नाले
सागर में मिल जाते हैं।

ठीक समय पर

एक नियम से रोज़ सवेरे
सूर्य निकल आता है,
एक नियम से घटता-बढ़ता
चंदा मुसकाता है।

एक नियम से तारे धुँधले
पड़कर फिर खिल जाते हैं,

— निरंकारदेव सेवक

प्रश्न 1. समय शब्द का इस्तेमाल करते हुए एक वाक्य बनाया गया है। नीचे दिए गए शब्दों को इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाकर लिखिए –

समय	**जो समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता।**
ज़माना	
काल	
युग	
दिन	

प्रश्न 2. इस गीत में समय पर काम करने पर बल दिया गया है –

एक नियम से तुम भी
अपने सारे काम सँभालो,
सोकर उठो, नहाओ-धोओ
बैठो, खाना खा लो।

आप कौन-से काम समय पर कर पाते हैं और कौन-से नहीं? कारण भी बताइए।

© NCERT

प्रश्न 3. कोई एक काम जो आप दिए गए समय में करेंगे या करना चाहेंगे–

आज	
कल	
इस सप्ताह	
इस महीने	
इस साल	

मेरे शब्द

CNCL NCERT

■ हमारी बातों में समय कब, कहाँ, कैसे आता है, पढ़िए-

समय का फेर

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

समय खराब चल रहा है

समय-समय की बात है

बीता समय वापिस नहीं आता

काल करे सो आज कर

इस तरह के कुछ और वाक्य बताइए जिनमें समय का ज़िक्र हो।

CNCERT